''मीठे बच्चे – सच्चे बाप के साथ सच्चे बनो, सच्चाई का चार्ट रखो, ज्ञान का अहंकार छोड़ याद में रहने का पूरा-पूरा पुरूषार्थ करो''

प्रश्नः- महावीर बच्चों की मुख्य निशानी क्या होगी?

उत्तरः- महावीर बच्चे वह जिनकी बुद्धि में निरन्तर बाप की याद हो। महावीर माना शक्तिमान्। महावीर वह जिन्हें निरन्तर खुशी हो। जो आत्म-अभिमानी हो, ज़रा भी देह का अहंकार न हो। ऐसे महावीर बच्चों की बुद्धि में रहता कि हम आत्मा हैं, बाबा हमें पढ़ा रहे हैं।

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सार :-

1) अपने याद के चार्ट पर पूरी नज़र रखनी है, देखना है हम बाप को कितना समय याद करते हैं। याद के समय बुद्धि कहाँ-कहाँ भटकती है?

2) इस कयामत के समय में वाणी से परे जाने का पुरूषार्थ करना है। बाप की याद के साथ दैवीगुण भी जरूर धारण करने हैं। कोई गंदा काम चोरी आदि नहीं करना है।

वरदानः- सेवा में स्नेह और सत्यता की अथॉरिटी के बैलेन्स द्वारा सफलतामूर्त भव

जैसे इस झूठ खण्ड में ब्रह्मा बाप को सत्यता की अथॉरिटी का प्रत्यक्ष स्वरूप देखा। उनके अथॉरिटी के बोल कभी अंहकार की भासना नहीं देंगे। अथॉरिटी के बोल में स्नेह समाया हुआ है। अथॉरिटी के बोल सिर्फ प्यारे नहीं प्रभावशाली होते हैं। तो फालो फादर करो - स्नेह और अथॉरिटी, निमार्णता और महानता दोनों साथ-साथ दिखाई दें। वर्तमान समय सेवा में इस बैलेन्स को अन्डरलाइन करो तो सफलता मूर्त बन जायेंगे।

स्लोगनः- मेरे को तेरे में परिवर्तन करना अर्थात् भाग्य का अधिकार लेना।